



TA-119/10

DISTRICT & ADL SESSIONS JUDGE X  
CUM SPL. JUDGE CBI DHANBAD

विधि २१ के अधिन (जीएच) ...  
... के अधिन (सी) बाइयः भारतीय स्टाम्प-  
... को अनुसूची  
... (बा  
... अपांक्ष

S.J. Seal  
P 28198  
7 June 1995

12 JUN 1995

21/6/95

Handwritten notes in vertical script, possibly 'रु २०' repeated.

28/7/98

वा ...

...  
...  
...  
...  
...

...  
...  
...

...  
...  
...  
...  
...

81 ...

91 ...

20 29/8/90

ਸਮੇਤ 40 ਕਾਗਜ਼  
ਮਾਹੀ 60 ਨਾਮ

20)

*[Handwritten signature]*

ਮੁਲਾਂ 28) ਮੁਲਾਂ 28) ਮੁਲਾਂ 28)  
20+8)

ਸੁਦੇਵ ਸਿੰਘ  
22-8-60

ਸੁਦੇਵ ਸਿੰਘ  
22-8-60

ਮੁਲਾਂ 60 ਕਾਗਜ਼

59916



ਮੁਲਾਂ 60 ਕਾਗਜ਼  
ਮੁਲਾਂ 60 ਕਾਗਜ਼  
ਮੁਲਾਂ 60 ਕਾਗਜ਼

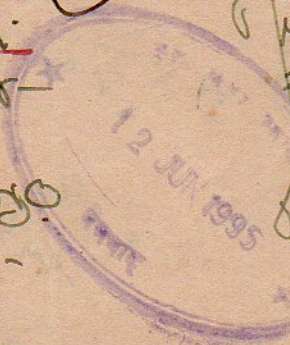
*[Handwritten signature]*  
ਮੁਲਾਂ 60

*[Handwritten signature]*

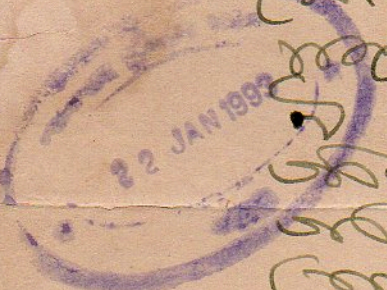
*[Large handwritten signature]*



Handwritten notes in Hindi, including the number '2' and '30'. The text appears to be a list or record of items, possibly related to the case mentioned in the header.



Handwritten notes in Hindi, including the number '2' and '30', written vertically on the right side of the page.



Main body of handwritten notes in Hindi, detailing various items and amounts. The text is organized into several lines, some of which are underlined. It appears to be a detailed account or inventory list.

PRINTED & PUBLISHED BY  
GABRIEL'S PRESS, CALCUTTA

22 29/5/90

~~राष्ट्रिय~~  
~~संस्था~~  
~~का~~

*[Handwritten signature]*

~~.....~~  
~~.....~~

*रॉक*  
*सुब्बु*

~~संस्था~~

*रॉक*  
*सुब्बु*

रविप्रसाद



*रॉक*



12 JUN 1995

DISTRICT & ADDL SESSIONS JUDGE X  
OUM SPL. JUDGE CBI DHANBAD

Handwritten notes in the top right corner, possibly a signature or initials.

68  
67  
40

Main body of handwritten text in Devanagari script, appearing to be a legal document or court order. The text is dense and covers most of the page.

Handwritten signature or name at the bottom right of the page.

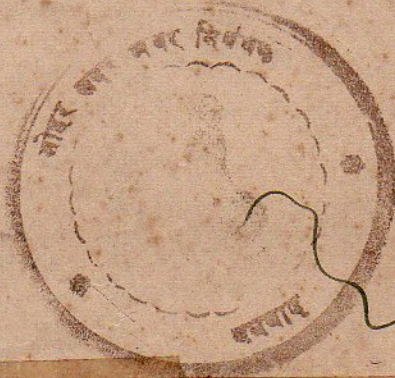
रवि मन्त्रो

सा... (faded handwritten text)

T.S. 140/93

Ext. E

Sub Judge (I)  
Dhaka  
21-11-01



21/11/01



Handwritten signatures and text at the bottom right corner, including a signature and some illegible text.

(A)  
69  
68

रजिस्टर्ड सेल डीड नं० 9554, दिनांक 28.4.1970

हिन्दी अनुवाद

1. केमाला दाता: श्री सहदेव महतो, पिता स्व० अहलाद महतो, जाति कुर्मी,  
पेशा- कृषि, सा० सरायेला, परगना-झीरिया, थाना व जिला-  
धनबाद ।
2. केमाला ग्रीहता: श्रीमती चंद्रप्रभा देवी पीत श्री आदित्य कुमार लाल, जाति  
कायस्थ, पेशा- गृहणी, सा० कोलहर, परगना और थाना  
टुंडी, जिला- धनबाद ।
3. 1000 ₹० मूल्य का केमाला दलील ।

4- मालिक जमीन बिहार सरकार

5- सलाना मालगुजारी 25 पैसा

6- तफिसल जमीन-चौकी सब रजिस्ट्री और जिला धनबाद अन्तर्गत मौजा

सुगियाडीह उर्फ आमाघाटा मध्य मेरा स्व० पिता अहलाद

महतो के नाम से पर्चा दर्ज खास दखली रैयती स्वत्व

हस्तांतर योग्य निज अंश भूक्त संपत्ति मौजा न० 9, खाता न०

2, सामिल प्लॉट न० 155, रकबा 11 डी० प्लॉट न० 157,

रकबा 60 डी० । दोनो प्लॉट का कुल रकबा 71 डी० विक्रय

कर संपूर्ण निःस्वत्व हुआ। तफिसल वर्णित जमीन मूल्य 1000/-

में से मैं 670/- ₹० ग्रहण कर चुका हूँ एवं बाकी 230/- ₹०

ग्रहण कर यह दलील संपादन कर दिया ।

चूंकि प्रस्तुत केमाला दलील का विवरण यह है कि मेरा कर्जा वसूल हेतु

रुपया का विशेष आवश्यकता पड़ने पर तफिसल वर्णित जमीन विक्रय करने

का घोषणा करने पर आप इसे खरीद करने के लिए राजी हुए। इस प्रकार

उभयपक्षों की सभ्यता से समझौचा सर्वोच्च मूल्य 1000/- रुपया

धार्य कर उसी मूल्य में आपनके नाम जमीन बिक्री कर सदा कोलए

objection  
By  
23/6/10

70  
59

:2:

वर्षित व निःस्वत्व हुए आज तारीख से आप उक्त जमीन का सारा हक- अधिकार हासिल कर निज जोत अपना प्रजाविल आदि विविध प्रकार का हस्तांतर करने का अधिकार हासिल कर पुत्र-पुत्रादि मय वारिसन गण श्रांति परमशुख एवं श्रांति से भोग देखल करते रहे। इसमें मेरा मय वारिसन का किसी प्रकार उग्र आपाति नहीं चलेगा। करने पर भी वह सर्वत्र बातिल व नामंजूर होगा। बिक्रीत संपति का धार्य लगान सलाना मालिक जमींदार बिहार सरकार को भुगतान कर मेरा नाम खारिज करते हुए निज नाम लगान रसीद हासिल करेगा। नाम खारिज के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए बाध्य रहा। बिक्रीत जमीन इसके पूर्व किसी को दान- विक्रय रेहन आदि किया हुआ नहीं है वैसा प्रकार होने पर संपूर्ण क्षतिपूर्ति कर दायी रहा।

अतः स्वस्थ शरीर एवं सरल मन से मूल्य का संपूर्ण राशि ग्रहण कर यह केवाला दलील संपादन कर दिया। इति सन 1377 साल तारीख 14 बैशाख इसी तारीख 28.4.1970 पक्षों को दलील पत्र के सुनाया व समझा दिया।

लेखक दिल्लीप चौधरी  
धनबंद ।

गवाह रवि महतो सरायदेला